

हिंदी दिवस का आयोजन

(दिनांक: 14.09.2026)

भा.कृ.अनु.प.-महात्मा गाँधी समेकित कृषि अनुसंधान संस्थान, पिपराकोठी, मोतिहारी में "हिन्दी पखवाड़ा-2026" (14-28 सितम्बर, 2026) का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में दिनांक 14 सितम्बर, 2026 को हिन्दी दिवस के अवसर पर संस्थान में पखवाड़े का शुभारम्भ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ, जिसका मुख्य विषय "हिन्दी - संस्कृति एवं विज्ञान की धरोहर" रखा गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ "वन्दे मातरम्" एवं "भाकृअनुप गीत" की प्रस्तुति से हुआ। इसके उपरान्त दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का औपचारिक आरम्भ किया गया। स्वागत भाषण डॉ. एस. के. पूर्वे, प्रधान वैज्ञानिक द्वारा प्रस्तुत किया गया। उन्होंने उपस्थित अतिथियों एवं कर्मचारियों का स्वागत करते हुए पखवाड़े के दौरान प्रस्तावित प्रतियोगिताओं एवं गतिविधियों की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। तदुपरान्त उपस्थित समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा सामूहिक रूप से राजभाषा प्रतिज्ञा ली गई। उद्बोधन सत्र में वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए, जिसमें कार्यालयी पत्राचार, तकनीकी लेखन एवं कृषि प्रसार साहित्य में हिन्दी के प्रयोग की व्यावहारिक कठिनाइयों तथा उनके समाधान पर प्रकाश डाला और वैज्ञानिक शब्दावली को सरल हिन्दी में प्रस्तुत करने की आवश्यकता पर बल दिया। अध्यक्षीय उद्बोधन में निदेशक महोदय डॉ. राघवेंद्र सिंह ने कहा कि कृषि अनुसंधान की सार्थकता तभी है जब उसके परिणाम किसानों तक उनकी अपनी भाषा में पहुँचें। उन्होंने संस्थान द्वारा विकसित तकनीकों के प्रसार साहित्य, प्रक्षेत्र प्रदर्शनों एवं किसान प्रशिक्षणों में हिन्दी के व्यापक प्रयोग पर बल देते हुए समस्त कर्मचारियों से अधिकाधिक कार्य हिन्दी में करने का आह्वान किया। मुख्य अतिथि, श्री राकेश कुमार, उप-सेनानायक, सशस्त्र सीमा बल, पिपरा कोठी, ने अपने व्याख्यान "राजभाषा के रूप में हिन्दी का विकास, महत्व तथा राष्ट्रनिर्माण में योगदान" में हिन्दी की ऐतिहासिक यात्रा, संवैधानिक स्थिति एवं राष्ट्रीय एकता में उसकी भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने अनुभव साझा करते हुए कहा कि हिन्दी केवल सम्पर्क की भाषा नहीं, अपितु सांस्कृतिक एकता एवं राष्ट्रीय चेतना का सशक्त माध्यम है।

हिन्दी संस्कृति एवं विज्ञान की धरोहर : निदेशक

प्रतिनिधि, पीपराकोठी

स्थानीय महात्मा गाँधी समेकित कृषि अनुसंधान संस्थान में "हिन्दी पखवाड़ा-2026" का शुभारम्भ सभा भवन में किया गया, जिसका मुख्य विषय "हिन्दी - संस्कृति एवं विज्ञान की धरोहर" रखा गया। कार्यक्रम की कार्यवाही संचालक डॉ. अमोल केलाश जाधव, वैज्ञानिक द्वारा किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ अतिथियों के सेमिनार हॉल में आगमन, तपश्चाल "वन्दे मातरम्" एवं "भाकृअनुप गीत" की प्रस्तुति से हुआ। इसके उपरान्त मुख्य अतिथि, निदेशक एवं वरिष्ठ वैज्ञानिकों द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का औपचारिक आरम्भ किया गया। मुख्य अतिथि राकेश कुमार, उप-सेनानायक, सशस्त्र सीमा बल का



महात्मा गाँधी समेकित कृषि अनुसंधान संस्थान में मौजूद वैज्ञानिक.

स्वागत निदेशक द्वारा किया गया। स्वागत भाषण डॉ. एस. के. पूर्वे, प्रधान वैज्ञानिक द्वारा प्रस्तुत किया। अधिकारियों एवं कर्मचारियों — वैज्ञानिक, प्रशासनिक, तकनीकी, यंग

प्रोफेशनल तथा संचिदा कर्मियों — द्वारा सामूहिक रूप से राजभाषा प्रतिज्ञा ली गई, जिसमें सरकारी कामकाज में हिन्दी के प्रयोग को बढ़ाने का संकल्प दोहराया गया। उद्बोधन सत्र में डॉ. एस. के. सिंह,

डॉ. लामेला ओझा, विष्णु क्राजी एवं अन्य वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किया। निदेशक महोदय डॉ. राघवेंद्र सिंह ने कहा कि कृषि अनुसंधान की सार्थकता तभी है जब उसके परिणाम किसानों तक उनकी अपनी भाषा में पहुँचें। उन्होंने संस्थान द्वारा विकसित तकनीकों के प्रसार साहित्य, प्रक्षेत्र प्रदर्शनों एवं किसान प्रशिक्षणों में हिन्दी के व्यापक प्रयोग पर बल देते हुए समस्त कर्मचारियों से अधिकाधिक कार्य हिन्दी में करने का आह्वान किया। पखवाड़े के दौरान निबन्ध लेखन, टिप्पण एवं आलेखन, वाद-विवाद, काव्य-पाठ तथा हिन्दी टंकण आदि विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा, जिनके परिणामों की घोषणा एवं पुरस्कार वितरण समापन समारोह में किया जाएगा।


